**भारत सरकार**

**गृह मंत्रालय**

**राज्‍य सभा**

**अतारांकित प्रश्‍न संख्या 1479**

**दिनांक 04.03.2020/14, फाल्गुन,1941 (शक) को उत्तर के लिए**

**पूर्वोत्तर क्षेत्र में विद्रोह**

**1479. श्री ए॰ मोहम्मदजनः**

**क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः**

**(क) क्या यह सच है कि पूर्वोत्तर क्षेत्र में विद्रोह में कमी आई है;**

**(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;**

**(ग) क्या यह भी सच है कि हाल ही में पूर्वोत्तर क्षेत्र में सैंकड़ों आतंकवादियों ने आत्मसमर्पण किया है; और**

**(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?**

**उत्तर**

**गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री जी किशन रेड्डी)**

(क) से (घ): वर्ष 2014 से पूर्वोत्तर राज्यों में सुरक्षा की स्थिति में काफी सुधार हुआ है। वर्ष 2013 की तुलना में, वर्ष 2019 में विद्रोह की घटनाओं में 70%, नागरिकों की मौंतों में 80% और सुरक्षा बलों की मौंतों में 78% की कमी हुई है। वर्ष 2014 से 2019 में 1,824 विद्रोहियों द्वारा आत्मसमर्पण किया गया था। अगस्त, 2019 में नेशनल लिबरेशन फ्रंट ऑफ त्रिपुरा (साबिर देबबर्मा) [एनएलएफटी-एसडी] के साथ एक समझौते के पश्चात् हाल ही में इस गुट के 88 काडरों ने आत्मसमर्पण किया। विभिन्न बोडो समूहों के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने के पश्चात् दिनांक 23 जनवरी, 2020 को विभिन्न गुटों के 644 काडरों ने आत्मसमर्पण किया और दिनांक 30 जनवरी, 2020 को नेशनल डेमोक्रेटिक फ्रंट ऑफ बोडोलैंड [एनडीएफबी] के विभिन्न गुटों के 1,615 काडरों ने आत्मसमर्पण किया।

\*\*\*\*\*\*\*